रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय

नकहा बसन्त, बालपुर-गोण्डा

सम्बद्ध- डॉ. रा.म.लो. अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

Nandini

(Nandini Group of Colleges)

सूचना विवरणिका एवं आवेदन-पत्र

INFORMATION BROCHURE & APPLICATION FORM

हेल्पलाइन नं0- 9454888885, 9120102000, 8115641133, 8726262677

कैमरे की नज़र में मा0 बृजभूषण शरण सिंह द्वारा संचालित संस्थाएँ

नन्दिनी नगर महाविद्यालय, नवाबगंज-गोण्डा

रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय, नकहा बसन्त, बालपुर-गोण्डा

शक्ति स्मारक संस्थान, दुलहिनपुर, बलरामपुर

श्री रघुकुल विद्यापीठ सिविल लाइंस, गोण्डा

महाकवि तुलसीदास महाविद्यालय, परसपुर -गोण्डा

जगदम्बा शरण सिंह एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, बेलसर-गोण्डा

शिक्षा के गौरव

मा. बृजभूषण शरण सिंह

सांसद / अध्यक्ष : भारतीय कुश्ती संघ
उपाध्यक्ष : एशियन कुश्ती संघ

संकल्प–गीत

है कौन विघ्न ऐसा जग में,
टिक सके आदमी के मग में
ठम ठोंक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पाँव उखड़,
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है
गुण बड़े एक से एक प्रखर,
हैं छिपे मानवों के भीतर ,
मेंहदी में जैसे लाली है,
वर्तिका– बीच उजियाली है,
बत्ती जो नहीं जलाता है,
रोशनी नहीं वह पाता है

- रामधारी सिंह 'दिनकर'

मानवता के जीवन मूल्य

जिस भारत की गौरव गाथा,
जग भर में सरनाम है,
जग पावन इस मातृभूमि को,
शत-शत बार प्रणाम है

सागर की लहरें करती जिन,
चरणों का अभिषेक सदा,
यहाँ प्रकृति बिखराती रहती
सुन्दरता की दिव्य छटा,

चारों कोने पर स्थापित प्रभु के चारों धाम जिस.....
इस जननी ने जना पुत्रगण वीर तिलक, आजाद से,
इन्कलाब से गूंज उठा नभ- गूंजा जिन्दाबाद से,
अंग्रेजों का इस धरती से हो गया काम तमाम है, जिस.....

पर्वतराज हिमालय माँ को देता नव उपहार है
गंगा यमुना जैसी नदियाँ माँ के गले की हार हैं,
भोर विहंगम कलरव करते, तोता रटता राम है जिस.....

गौतम बुद्ध की कर्मभूमि ये जन्म भूमि है राम की,
तीरथराज प्रयाग त्रिवेणी, जय वृन्दावन धाम की,
जहाँ विवेकानन्द की वाणी शोभित अति अभिराम है, जिस.....

इसी धरा पर दूर करने को अज्ञानता तथा दूषण,
शिक्षा की ज्योति को जलाकर खड़े है, सांसद बृजभूषण,
कदम मिलाकर चलना उनसे ये हम सब का काम है,
जिस भारत की गौरव.....

ओम प्रसाद शुक्ल "ओम"

आत्म निवेदन

उत्तर-प्रदेश के गोण्डा जनपद में परम पवित्र सरयू-तट पर स्थापित इस उच्च शिक्षा केन्द्र 'नन्दिनी नगर महाविद्यालय' प्रांगण में आज अपने हृदय का उद्‌गार आप सबके सम्मुख प्रकट करते हुए मुझे एक अनूठा सुख-संतोष प्राप्त हो रहा है। यह विद्यालय शिक्षा-सेवा के क्षेत्र में हमारे उन सुनहरे सपनों का पुंज-प्रतीक है जो मैंने किशोरावस्था में ही देखना प्रारम्भ किया था और जिसे साकार करने में आप सबका, यहाँ के अभिभावकों, विद्यार्थियों, लोकसेवियों, संत -महात्माओं, अनुभवसिद्ध बुजुर्गो तथा कर्मठ-उत्साही नौजवानों का हाथ रहा है। गोण्डा जनपद तथा समीपवर्ती क्षेत्रों के ग्रामांचल की धरती अशिक्षा तथा पिछड़ेपन के अन्धकार से उबर सके, यहाँ पारम्परिक सांस्कृतिक शिक्षा का गौरवशाली स्वरूप भी सुरक्षित रहे तथा आधुनिक प्रगतिशील, तकनीकि विज्ञानोन्मुख शिक्षा का भी समग्र विकास हो, यही हमारा लक्ष्य रहा है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के पूर्वज महाराज दिलीप ने इसी भूभाग में अनन्त शक्तिमयी गौमाता नन्दिनी की सेवा के बहाने से महान् लोकादर्शों की प्रतिष्ठा की थी। महाकवि गोस्वामी तुलसीदास का प्रादुर्भाव इसी भू-भाग में हुआ जो देश -देशान्तर में मानवीय संस्कृति के महान् लोकनायक के रूप में जाने गये। सनातन युग से चला आ रहा इस धरती का गौरव हमारी थाती है तथा इसे सुरक्षित रखने की सभी चुनौतियों का हमें हरदम सामना करते रहना है। इस शिक्षा-केन्द्र को चकित कर देने वाली ऊँचाइयों तक ले जाना ही हमारे जीवन की सच्ची सफलता होगी, ऐसा मैं रात -दिन सोचता रहता हूँ।

आज जहाँ मैं आप लोगों के बीच खड़ा हूँ वहाँ से चारो ओर दूर-दूर तक की जनता ने मुझे कई-कई बार देश की लोकसभा में प्रतिनिधित्व का अवसर दिया है। यह जनता बड़े प्रेम तथा विश्वास की दृष्टि से मुझे देखती आयी है। यहाँ की इस जनता का मेरे व्यक्तित्व के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है। आप सभी अवगत हैं कि अपनी प्रबन्ध-व्यवस्था के माध्यम से इस जनपद में तथा इस जनपद के बाहर भी लगभग **54** उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना की गयी है, उसकी मुख्य प्रेरणा भूमि नन्दिनी नगर की यही पावन धरती है।

बृजभूषण शरण सिंह

संस्थापक

प्रबंधक का संदेश

गोनार्द की पावन भूमि पर गोण्डा मुख्यालय से लखनऊ रोड पर 14 किमी0 की दूरी पर नकहा बसन्त बालपुर नामक स्थान पर स्थित रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय इस क्षेत्र की शिक्षा का गौरव है। इस महाविद्यालय के प्राचार्य / प्राध्यापक एवं सभी कर्मचारी पूरे मनोयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहें है। अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से संस्था की गरिमा प्रत्येक सोपन में उच्चतम स्तर पर स्थापित है जिससे 'साक्षर देवीपाटन, स्वस्थ देवीपाटन एवं हरित देवीपाटन' का सपना साकार हो रहा है। मैं इन दायित्वों को आप सभी के सहयोग से पूर्ण करूंगा और विश्वास दिलाता हूँ कि यह महाविद्यालय प्रदेश के उच्चस्थ महाविद्यालयों मे अपना नाम रोशन करेगा।

अन्ततः सभी को धन्यवाद !

करन भूषण सिंह
प्रबंधक

प्रशासक का संदेश

गोनार्द की परम पावन वसुन्धरा पर नकहा बसन्त ग्राम सभान्तर्गत जुलाई २०१४ में स्थापित रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय का शुभारम्भ माननीय श्री बृजभूषण शरण सिंह जी (सांसद) के दादाजी की स्मृति में हुआ। तब से यह निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है क्षेत्र के गौरव इस महाविद्यालय में सुयोग्य प्राध्यापकों द्वारा शिक्षण कार्य संचालित हो रहा है साथ ही इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाता है, कि महाविद्यालय से शिक्षार्जन के बाद निकले हुए शिक्षार्थियों का शारीरिक, मानसिक बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक आर्थिक विकास पूर्ण हो। साथ ही वे सामजिक मूल्यों तथा मानवीय कर्तव्यों के प्रति गम्भीर हों, हमारा प्रयास रहेगा कि महाविद्यालय तीव्रगति से प्रगति करते हुए अपने लक्ष्य "सबको शिक्षा सबको रोजगार" को पूरा करें। इस कार्य के सम्पादन हेतु समस्त क्षेत्रवासियों अभिभावकों प्राध्यापकों शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं का सहयोग अपेक्षित हैं।

डॉ .बी० एल० सिंह

प्रशासक– नंदिनी ग्रुप ऑफ कालेजेज

प्राचार्य का संदेश

देवीपाटन मण्डल जिला गोण्डा के हलधरमऊ विकास खण्ड में स्थित रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय नकहा बसन्त बालपुर गोण्डा क्षेत्र में शिक्षा के पिछड़ेपन को दूर करने एवं उच्च शिक्षा की अलख जगाने में संकल्पबद्ध है, जो मण्डल में शिक्षा क्रान्ति के अग्रदूत संस्थापक माननीय बृजभूषण शरण सिंह जी के स्वास्थ्य, साक्षर एवं हरित मण्डल के संकल्प को साकार करने हेतु उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर है।

हम महाविद्यालय संस्थापक के प्रति आभारी है। जिन्होंने देवीपाटन मण्डल में विविध शिक्षण संस्थाओं की स्थापना करके समाज को नई दिशा प्रदान की है।

मैं अभिभावकों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से महाविद्यालय को नवनूतन ऊँचाइयों तक पहुंचाने का प्रयत्न करूंगा तथा छात्र/छात्राओं को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि महाविद्यालय में शैक्षिक वातावरण स्थापित कर उनके सर्वांगीण विकास हेतु हर सम्भव प्रयत्न करूँगा।

डॉ. ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य

अनुशासन सम्बन्धी अनुदेश

- महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान और किसी प्रकार का नशा वर्जित है। ऐसा करने वालो को महाविद्यालय परिसर से तत्काल निष्कासित किया जायेगा।
- महाविद्यालय परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक छात्र-छात्राओं के पास महाविद्यालय द्वारा जारी परिचय-पत्र होना चाहिए।
- छात्र-छात्राएं आपस में मर्यादित व्यवहार करें। शिक्षा के मन्दिर में वे भाई-बहन की तरह हैं।
- महाविद्यालय गुरू-शिष्य परम्परा का पोषक है। यह अक्षम्य होगा कि कोई छात्र, शिक्षकों या महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से किसी प्रकार की अभद्रता करें।
- छात्र-छात्राओं को अपने से सीनियर छात्रों और शिक्षकों व अन्य स्टाफ के आदर स्वरूप सामने पड़ने पर प्रणाम करना होगा।

नियन्ता मण्डल

1. डा. बी.एल. सिंह	प्रशासक	9415458212
2.डा.ओ.पी. सिंह	प्राचार्य	9454888885
3. श्री साहब राम यादव	मुख्य नियन्ता	8726262677
4. श्री कुलदीप सिंह	सह नियन्ता	9120102000
5. श्री रवि कुमार पाण्डेय	सदस्य	8115641133
6. श्री शिव दयाल वर्मा	सदस्य	8400330050
7.सुश्री आरती शुक्ला	सदस्य	6393356410

सदस्य प्रवेश समिति

1. श्री साहब राम यादव	प्रवक्ता	समाजशास्त्र	8726262677
2. श्री कुलदीप सिंह	प्रवक्ता	गाणित/भौतिक विज्ञान	9120102000
3. श्री रवि कुमार पाण्डेय	प्रवक्ता	भूगोल	8115641133
4. श्री शिव दयाल वर्मा	प्रवक्ता	वनस्पति विज्ञान	8400330050
5. श्री कृष्ण देव सिंह	प्रवक्ता	प्राणि विज्ञान	9628348989
6. श्री अजय कुमार यादव	प्रवक्ता	रसायन विज्ञान	7007482952
6. श्री आकाश सिंह	प्रवक्ता	प्राचीन इतिहास	9450289965

कार्यालय स्टाफ

1. श्री धनेश्वर प्रसाद सिंह	लेखाकार	9453647677
2. श्री सुशील कुमार	लिपिक	8543918230

पाठ्यविषय तथा स्वीकृत संयुक्तियां

प्रवेश व्यवस्था

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुसार सेमेस्टर प्रणाली लागू तथा महाविद्यालय में संचालित पाठ्य विषय

1. स्नातक पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष के समय छात्र/छात्रा को डा. रा.म.लो. अवध विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर यू. आई.एन. रजिस्ट्रेशन फार्म भरना अनिवार्य है।
2. स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय तीन मेजर विषय, एक माइनर विषय, एक सहगामी पाठ्यक्रम, एक वोकेशनल कोर्स (व्यावसायिक पाठ्यक्रम) लेना अनिवार्य है। महाविद्यालय में संचालित पाठ्य विषय का विवरण निम्नवत् है–

1. कला संकाय :– अर्हता इण्टरमीडिएट (10+2) उत्तीर्ण, प्रवेश का आधार मेरिट

इण्टरमीडिएट कला वर्ग या वाणिज्य वर्ग या कृषि वर्ग या व्यवसायिक से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण 36% अंक

बी.ए. में तीन मुख्य विषय का चयन करना है :–

हिन्दी अंग्रेजी प्राचीन इतिहास	भूगोल (प्रायोगिक) गृहविज्ञान (प्रायोगिक) राजनीति शास्त्र (प्रायोगिक) समाजशास्त्र (प्रायोगिक)

विषय चयन सम्बन्धी निर्देश–कला संकाय

i विद्यार्थी दो से अधिक भाषा/साहित्य का चयन नहीं करेगा।

ii विद्यार्थी द्वारा दो से अधिक प्रायोगिक विषयों का चयन नहीं एक साथ चयनित नहीं किये जायेंगे।

2. विज्ञान संकाय :–प्रवेश का आधार मेरिट, पात्रता इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग से उत्तीर्ण 36% अंक।

बी.एस.सी. में तीन मुख्य विषय का चयन करना है:–

भौतिक विज्ञान गणित	रसायन विज्ञान	वनस्पति विज्ञान जन्तु विज्ञान

कला वर्ग/विज्ञान वर्ग के अनिवार्य पाठ्यक्रम

3. माइनर/इलेक्टिव विषय का चयन

मात्र सैद्धान्तिक विषय–प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, हिन्दी

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक विषय :–1. वनस्पति विज्ञान, 2.रसायन विज्ञान 3. जन्तु विज्ञान 4. गणित 5. भौतिक विज्ञान 6. भूगोल 7. गृह विज्ञान, 8. राजनीतिशास्त्र, 9. समाजशास्त्र

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम सेमेस्टर हेतु एक माइनर विषय अपने संकाय अथवा दूसरे संकाय से लेना अनिवार्य है। माइनर विषय की परीक्षा प्रथम सेमेस्टर में होगी।

पाठ्यविषय तथा स्वीकृत संयुक्तियां

4. स्नातक स्तर पर अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रमों (CO-CURRICULAR) के अध्ययन का क्रम सेमेस्टर के अनुसार निम्नवत् होगा–

वर्ष	सेमेस्टर	सहगामी पाठ्यक्रम
प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर	खाद्य पोषण एवं स्वास्थ्य FOOD-NUTRITICN AND HYGIENE
	द्वितीय सेमेस्टर	प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य FIRST AID AND HEALTH
द्वितीय वर्ष	तृतीय सेमेस्टर	मानव मूल एवं पर्यावरण अध्ययन HUMAN VALUES AND ENVIRONMENTAL STUDISE
	चतुर्थ सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षा एवं योग PHYSICAL EDUCATION AND YOGA
तृतीय वर्ष	पंचम सेमेस्टर	विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवेयरनेस ANALYTIC ABILITY AND DIGITAL AWARENESS
	षष्टम सेमेस्टर	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास COMMUNICATION SKILL AND PERSONALITY DEVELOPMENT

6. कौशल विकास/रोजगार–परक– **(VOCATIONAL)** पाठ्यक्रम–

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम चार सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक रोजगार परक पाठ्यक्रम का चयन करना होगा।

1. YOGA AND FITNESS
2. COMPUTER APPLICATION
3. FOOD PROCESSING
4. INFORMATION COMMUNICATION TECHNOLOGY (ICT)
5. HOSPITAL AND HEALTH CARE MANAGEMENT

निर्देश :–1. महाविद्यालय में छात्र/छात्रा की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

2. सभी छात्र/ छात्रा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय पर परीक्षा आवेदन पत्र ऑनलान आवेदन करके महाविद्यालय में अवश्य जमा करा दें। अन्यथा परीक्षा में वंचित होने पर विद्यार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।

3. छात्रवृत्ति सुविधा उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु इच्छुक वे छात्र/छात्रा जिनकी वार्षिक आय प्रमाण पत्र दो लाख रूपये से कम है, छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करे।

4. सभी छात्र/छात्रा महाविद्यालय द्वारा निर्धारित गणवेश में आये।

पाठ्यविषय तथा स्वीकृत संयुक्तियां

1. **माइनर/इलेक्टिव विषय का चयन :–**

मात्र सैद्धातिक विषय– प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, संस्कृत, हिन्दी, अर्थशास्त्र।

सैद्धातिक एवं प्रयोगिक विषय :– 1.वनस्पति विज्ञान, 2.रसायन विज्ञान, 3.सैन्य विज्ञान, 4.भूगोल, 5.गृह विज्ञान, 6.गणित, 7.भौतिक विज्ञान, 8.राजनीति शास्त्र 9.समाज शास्त्र, 10.शिक्षा शॉस्त्र, 11.प्राणी विज्ञान।

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम चार सेमेस्टर हेतु 01 माइनर विषय अपने संकाय/दूसरे संकाय से लेना अनिवार्य होगा। माइनर विषय की परीक्षा वर्ष में 01 बार ही होगी।

2. **स्नातक स्तर पर अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रमों (CO-CURRICULAR) के अध्ययन का क्रम सेमेस्टर के अनुसार निम्नवत् होगा–**

प्रथम सेमेस्टर– संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास।

द्वितीय सेमेस्टर– विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवेयरनेस।

तृतीय सेमेस्टर– शारीरिक शिक्षा एवं योग।

चतुर्थ सेमेस्टर– मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन।

पंचम सेमेस्टर–खाद्य पोषण एवं स्वच्छता

षष्टम सेमेस्टर– प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

3. **कौशल विकास/रोजगार–परक– (VOCATIONAL) पाठ्यक्रम–**

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम चार सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक रोजगार परक पाठ्यक्रम लेना होगा।

Yoga, Computer Application, Food Processing, Horticulture, Electrician, Physical Fittness & Gym Trainer Hospital And Health Care Management, Tourism And Hospitality Plumbing.

माइनर विषय

हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान, सैन्य विज्ञान, प्राचीन इतिहास, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान।

सहपाठ्येतर गतिविधिया

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का अधिकांश युवा वर्ग भारत माँ को दासता के बन्धन से मुक्त कराने हेतु राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में लगा हुआ था। इन युवाओं के भागीरथ प्रयत्न से आज हम लोग विकसित विश्व में गौरवान्वित हो रहे हैं। हमारा यह युवा वर्ग अपने पथ से कहीं भटक न जाय व उसकी शक्ति क्षीण न होने पायें इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, पं. जवाहर लाल नेहरू तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वप्न देखा फलस्वरूप 24 सितम्बर 1969 ई. को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना हुई। यह राष्ट्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। सम्प्रति युवाओं की प्रेरणा स्वामी विवेकानन्द तथा उपरोक्त महापुरूषों की इच्छाओं को साकार करने के लिए महाविद्यालय के प्रबन्धक और सांसद श्री बृजभूषण शरण सिंह जी ने रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवको द्वारा राजस्व ग्राम बालपरु हजरी, हरिसिंहपुर, नकहा, सोनहरा आदि गाँवों में ग्राम जागरूकता के विभिन्न उपादानों जैसे साफ-सफाई, स्वास्थ्य जागरूकता, कुपोषण, अशिक्षा, जलजनित बीमारियों के निदान, नाली की सफाई, खडंजा की मरम्मत आदि लोकहित की पहल हुई।

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में एक इकाई कार्यरत हैं। जिसमें 100 स्वयं सेवक चयनित होते हैं जो डा.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सम्पूर्ण शैक्षिक सत्र में कार्य करते हैं। इन्ही 100 स्वंय सेवकों में से 50 स्वंय्र सेवकों का चयन विशेष शिविर के लिए किया जाता है जो चयनित ग्रामों में सात दिनो तक चौबीसो घण्टे उपस्थित रहते हैं। महाविद्यालय में प्रतिवर्ष अगस्त माह में 50 स्वयं सेवकों का चयन किया जाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रवेश सम्बन्धी पात्रता शर्ते-

1. अभ्यर्थी स्नातक प्रथम वर्ष या द्वितीय वर्ष का संस्थागत छात्र हो।
2. इच्छुक अभ्यर्थियों में ग्रामीण सेवा भाव की रूचि तथा कार्य के प्रति तत्परता हो।

विविध सरोकार

पुस्तकालय

महाविद्यालय में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कृतियों सहित लगभग चार हजार पुस्तकों से संवर्धित लाइब्रेरी है। इनमें पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पुस्तकों के अलावा विभिन्न प्रकृति वाली पुस्तकें है। निराला जी की पूरी ग्रंथावली है। छात्र-छात्राएं पुस्तकालय पत्रक जमा कर पुस्तक प्राप्त कर सकते है। निर्गत पुस्तकों को सुरक्षित रखना छात्र-छात्राओं का व्यक्तिगत दायित्व है।

वाचनालय

पुस्तकालय से ही लगा हुआ वाचनालय है। यह बैठकर पढ़ने की बेहतरीन सुविधाओं से युक्त है। यहाँ पुस्तकों के अलावा पत्र-पत्रिकाएं और समाचार पत्र भी उपलब्ध रहते हैं।

क्रीड़ा संकुल

महाविद्यालय के यशस्वी प्रबन्धक सांसद श्री बृजभूषण शरण सिंह का खेलों में बड़ा अनुराग है। उनके द्वारा संचालित अधिकांश महाविद्यालयों में खेलों के प्रति पूरी वैज्ञानिकता से एकाग्र बी0पी0एड0 और बी0पी0ई0का पाठ्यक्रम संचालित है। उनकी इच्छा है कि एकलव्य महाविद्यालय खेल के फलक पर भी नाम रौशन करे।

इसी क्रम में न केवल महाविद्यालय परिसर का विस्तार हुआ है, बल्कि खेल के मैदान का विकास हो रहा है। परिसर में अनेक खेल के मैदान है। खेलों के संचालन हेतु महाविद्यालय में एक क्रीड़ा परिषद भी स्थापित है।

सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप

Gonard College of Nursing & Paramedical Science

Recgnised by :- U.P. State Goverment
Approved by :- U.P. State Medical Faclity, Lucknow
Affiliated by :- Atal Bihari Vajpayee Medical University
Lucknow, U.P.

Nursing Courses

1. B.Sc. (Nursing) Duration 4 year
   (Eligibility :-10+2 with PCB)
2. Post Basic B.Sc. (Nursing) Duration 2 year
   (Eligibility :-10+2 with PCB)
3. A.N.M - Duration 2 year
   (Eligibility :-10+2 Any Stream)
4. G.N.M.- Duration - 3 year
   (Eligibility :-10+2 Any Stream)

Facilities :

1. Well Equipped Labs
2. Digital classes
3. Well Equipped Library
4. Extra-Curicular Activities
5. Highly Qualified Faculties
6. Low Fee Structure
7. Dwon Hospital (100 Beds)
8. Well Disciplined Study Environment

Diploma Paramedical Courses

1. Emergency & Trauma'
   Tech-Duration- 2 year
2. D.T. Technician
   Duration- 2 year
3. Optometery Technician
   Duration- 2 year
4. Physiotherapy Tech
   Duration- 2 year

(Eligibility - 10+2 PCM/PCB)
for All above Diploma Courses

Admission :9161741353
Helpline :9565749091

Director
Dr. Rajshree Singh
(MBBS, MD Medicine)

Indirapuram Group
Running Leading School in Delhi/NCR
Admission Open
For 2022-23
Launches
It's New Branch
Near You
TO LEARN ✱ TO SERVE ✱ TO EXCEL
INDIRAPURAM PUBLIC SCHOOL
A SCHOOL WITH A DIFFERENCE
Faizabad-Gonda Highway
(Next to Nandini Nagar Mahavidyalaya)
District - Gonda, Near Ayodhya
Phone : +91-9838202485,86,87,88,89
E-mail : ips.ayodhya@gmail.com
Indirapuram
Public School
Ayodhya

मा. प्रबंधक श्री बृजभूषण शरण सिंह (सांसद) द्वारा संस्थापित-संचालित शैक्षणिक संस्थाएं

1.नन्दिनी नगर पी0जी0 कालेज, नवाबगंज-गोण्डा
2.नन्दिनी नगर विधि महाविद्यालय, नवाबगंज, गोण्डा
3.नन्दिनी एजूकेशनल इंस्टिट्यूट, नवाबगंज, गोण्डा
4.नन्दिनी कालेज, नवाबगंज, गोण्डा
5.नन्दिनी नगर महाविद्यालय (कालेज ऑफ फार्मेसी) नवाबगंज, गोण्डा
6.नन्दिनी नगर टेक्निकल कैम्पस (इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेन्ट) नवाबगंज, गोण्डा
7.महिला शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, नवाबगंज, गोण्डा
8.गोनार्द कालेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइंस, नवाबगंज, गोण्डा
9.कुश्ती प्रशिक्षण केन्द्र नन्दिनी नगर महाविद्यालय, नवाबगंज, गोण्डा
10.श्री रघुकुल विद्यापीठ, सिविल लाइन, गोण्डा
11.श्री रघुकुल महिला विद्यापीठ, सिविल लाइन, गोण्डा
12.गुरु वशिष्ठ महाविद्यालय, मनकापुर, गोण्डा
13.शीतलगंज प्रताप महाविद्याल, मसकनवा, गोण्डा
14.सरयू डिग्री कालेज, करनैलगंज, गोण्डा
15.जगदम्बा शरण सिंह एजूकेशनल इंस्टिट्यूट, पूरेफकीर, बेलसर, गोण्डा
16.जगदम्बा शरण औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, आई0टी0आई0, बेलसर, गोण्डा
17.माता राजरानी महिला विद्यालय, बेलसर, गोण्डा
18.लखनलाल शरण सिंह महाविद्यालय, विश्नोहरपुर, गोण्डा
19.महाकवि तुलसीदास पी0जी0 कालेज, परसपुर, गोण्डा
20.शशिभूषण शरण सिंह महाविद्यालय, भूषण नगर उज्जैनीकला, गोण्डा
21.विपिन बिहारी शरण सिंह महाविद्यालय, तरबगंज, गोण्डा
22.शक्ति स्मारक संस्थान, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
23.शक्ति स्मारक विधि संस्थान, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
24.शक्ति स्मारक कालेज ऑफ फार्मेसी, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
25.शक्ति कालेज ऑफ नर्सिंग, दुल्हिनपुर, बलरामपुर
26.दीप नरायण सिंह डिग्री कालेज, तुलसीपुर, बलरामपुर
27.सीता शरण सिंह महाविद्यालय, जैतापुर, तुलसीपुर, बलरामपुर

28.महाराजा बलभद्र सिंह रैकवार महाविद्यालय, बनकटवा, पयागपुर, बहराइच
29.शिवालिक महाविद्यालय, पटना खरगौरा, श्रावस्ती
30.गोनार्द कालेज ऑफ नर्सिंग, पटना खरगौरा, श्रावस्ती
31.एकलव्य महाविद्यालय, झुकिया जरवलरोड, बहराइच
32.एकलव्य महाविद्यालय द्धबी0टी0सी0ऋ झुकिया जरवलरोड, बहराइच
33.एकलव्य शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, जरवलरोड, बहराइच
34.रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय, नकहा बसंत बालपुर, गोण्डा
35.महाराज देवी बक्श सिंह स्मारक संस्थान, बनघुसरा, डुमरियाडीह, गोण्डा
36.बालार्क ऋषि महाविद्यालय, अरई कला, बहराइच
37.महाराजा सुहेलदेव महाविद्यालय, हजूरपुर, बहराइच
38.आर्यवर्त महाविद्यालय, आर्यनगर, गोण्डा
39.गोनार्द एजूकेशनल इंस्टिट्यूट, वीरपुर, कटरा, गोण्डा
40.लवकुश रेसलिंग एकेडमी, बहराइच
41.सरयू बालिका इण्टर कालेज, करनैलगंज, गोण्डा
42.विपिन बिहारी शशिभूषण आदर्श बालिका माध्यमिक विद्यालय, विश्नोहरपुर, नवाबगंज, गोण्डा
43.चन्द्रभान शरण सिंह मुनेश्वर सिंह इण्टर कालेज, साकीपुर, नवाबगंज, गोण्डा
44.जगमोहन सिह आदर्श बालिका माध्यमिक विद्यालय, करदा, वजीरगंज, गोण्डा
45.डॉ0 जयदेव सिंह आदर्श इण्टर कालेज, बिशुनपुर, बेरिया, गोण्डा
46.मूलराज नारंग डी0ए0बी0 इण्टर कालेज, नवाबगंज, गोण्डा
47.चन्दन सिंह स्मारक इण्टर कालेज, चन्दनपुर, वजीरगंज, गोण्डा
48.अवधराम आदर्श इण्टर कालेज, दुबहा बाजार, गोण्डा
49.गोनार्द सेवा आश्रम, परसापुर, नवाबगंज, गोण्डा
50.लव विद्यापीठ, पटना, खरगौरा, भिन्गा, श्रावस्ती
51.माँ सरयू इण्टर कालेज, धुरखी, बहराइच
52.माता पार्वती इण्टर कालेज, चन्दापुर, गोण्डा
53.राम नारायण सिंह कलावती इण्टर कालेज, लक्ष्मणपुर, चन्दापुर, गोण्डा
54. नन्दिनी कॉलेज (कॉलेज ऑफ फार्मेसी) तुरकौली, नवाबगंज, गोण्डा

रघुराज शरण सिंह महाविद्यालय, नकहा बसन्त, बालपुर-गोण्डा

हेल्पलाइन नं0- 9454888885, 9120102000, 8115641133, 8726262677